Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

आदर्श प्रश्न–पत्र

हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा–11 वीं

निर्धारित समय – 3 घण्टे | अधिकतम अंक – 90

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड हैं– क ख और ग। सभी खण्डों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना भाुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड–क

प्र.1:– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सत्य के अनेक रूप होते हैं, इस सिद्धान्त को मैं बहुत पसंद करता हूँ। इसी सिद्धान्त ने मुझे एक मुसलमान को उसके अपने दृश्टिकोण से और ईसाई को उसके स्वयं

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

© www.ncerthelp.com

के दृश्टिकोण से समझना सिखाया है। जिन अंधों ने हाथी का अलग–अलग तरह से वर्णन किया वे सब अपनी दृश्टि से ठीक थे। एक–दूसरे की दृश्टि से सब गलत थे, और जो आदमी हाथी को जानता था उसकी दृश्टि से वे सही भी थे और गलत भी।

जब तक अलग–अलग धर्म मौजूद हैं तब तक प्रत्येक धर्म को किसी विशेश वाहय चिन्ह की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन जब वाहय चिंतन केवल आडम्बर बन जाते है अथवा अपने धर्म को दूसरे धर्मों से अलग बताने के काम आते है तब वे त्याज्य हो जाते हैं। धर्मों के भ्रातृ–मंडल का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह हिंदू को अधिक अच्छा हिंदू, एक मुसलमान को अधिक अच्छा मुसलमान और एक ईसाई को अधिक अच्छा ईसाई बनाने में मदद करे। दूसरों के लिए हमारी प्रार्थना वह नहीं होनी चाहिए – ईश्वर, तू उन्हें वहीं प्रकाश दे जो तूने मुझे दिया है, बल्कि यह होनी चाहिए – तू उन्हें वह सारा प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित भीर्शक लिखिए। 2

(ख) किसी भी धर्म के अनुयायी को उसी के दृश्टिकोण से देखने की समझ किस सिद्धान्त के कारण पैदा हुई ? 2

(ग) अंधों और हाथी का उदाहरण क्यों दिया गया है ? 2

(घ) धर्म के वाहय चिन्हों को कब और क्यों त्याग देना चाहिए। 2

(ड.) हमें ईश्वर से क्या प्रार्थना करनी चाहिए ? 2

प्र.2:– निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जो बीत गई सो बीत गई ।
जीवन में एक सितारा था,
माना, वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया, तो डूब गया।
अंबर के आनन को देखो,
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले ;

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबर भाोक मनाता हैं।

(क) 'जीवन में एक सितारा था' कवि ने 'सितारा' भाब्द का प्रयोग किसके लिए किया है ? 1

(ख) कवि ने क्या संदेश दिया है ? इससे उसके किस दृश्टिकोण का परिचय मिलता है ? 1

(ग) अंबर को क्या–क्या सहन करना पड़ता है ? 1

(घ) अंबर टूटे तारों पर भाोक क्यों नहीं मनाता ? 1

(ङ.) कवि ने अंबर का उदाहरण क्यों दिया है ? 1

अथवा

रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है ;
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्ध, सीधा क्रम है।
आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार भाोशणों की धज्जियाँ उड़ाने का।
गौरव की भाशा नई सीख, भिखमंगों की आवाज बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल।
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते है ;?
रोटी क्या ? ये अंबरवाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।

(क) आजादी क्यों आवश्यक है ? 1

(ख) सच्चे अर्थो में रोटी पर किसका अधिकार है ? 1

(ग) कवि ने किन पंक्तियों में गिड़गिड़ाना छोड़कर स्वाभिमानी बनने को कहा है ? 1

(घ) कवि व्यक्ति को क्या परामर्श देता है ? 1

(ङ.) आजाद व्यक्ति क्या कर सकता है ? 1

खण्ड–ख

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

प्र.3ः— आकाशवाणी के निदेशक को रेडियो के कार्यक्रमों के बारे में सुझाव देते हुए एक
पत्र लिखिए।
5

अथवा

अपने मुहल्ले में दिन—प्रतिदिन बढ़ते बिजली संकट को लेकर विद्युत विभाग के मुख्य
अभियन्ता को पत्र लिखिए।

प्र.4ः— निम्न में से किसी एक विशय पर 300 भाब्दों का एक निबंध लिखिए— 10

(क) नर हो न निराश करो मन को
(ख) बढ़ते भाहर सिकुड़ते जंगल
(ग) राजनीति और भ्रश्टाचार
(घ) आजीविका और शिक्षानीति

प्र.5ः— निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— 1×5=5

(क) संचार माध्यम कितने प्रकार के होते हैं ?
(ख) जनसंचार किसे कहते हैं ?
(ग) पत्रकारिता के पहलू कौन—कौन से हैं ?
(घ) आजादी से पूर्व पत्रकारिता का लक्ष्य क्या था ?
(ड) पूर्णकालिक पत्रकार कौन होता है ?

प्र.6ः— बातें कम काम ज्यादा विशय पर एक फीचर लिखिए । 5

अथवा

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

रिश्वत का रोग विशय पर एक फीचर लिखिए।

खण्ड–ग

प्र.7ः– निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखिए–

हे भूख ! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद ! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल–पुथल
हे मोह ! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद ! मत कर मदहोश
ईर्श्या, जला मत
ओ चराचर ! मत चूक अवसर
आई हूँ संदेश लेकर चन्नमल्लिकार्जुन का।

(क) कवयित्री भूख–प्यास, क्रोध–मोह आदि से क्या प्रार्थना करती है और क्यों ? 2

(ख) कवयित्री किस अवसर से न चूकने की प्रेरणा देती हैं ? 2

(ग) कवयित्री किसके प्रति समर्पित है ? 2

(घ) काव्यांश में किस भौली का प्रयोग किया गया है। 2

अथवा

अपने चेहरे पर
संथाल परगना की माटी का रंग
भाशा में झारखंडीपन
ठंडी होती दिनचर्या में

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

जीवन की गर्माहट

मन का हरापन

भोलापन दिल का

अक्खड़पन, जुझारूपन भी

(क) कविता में किस प्रदेश का प्रभाव दृश्टिगोचर होता है ? 2

(ख) कवि किस प्रकार का जन–जीवन देखने को इच्छुक है ? 2

(ग) 'ठंडी होती दिनचर्या' और 'जीवन की गर्माहट' का भाव स्पश्ट कीजिए। 2

(घ) झारखंडीपन का अभिप्राय बताइए। 2

प्र.8:– निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

संतो देखत जग बौराना।

साँच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।।

नेमी देखा धरमी देखा, प्रात करै असनाना।

आतम मारि पखानहि पूजै, उनमें कछु नहिं ज्ञाना।।

बहुतक देखा पीर औलिया, पढ़ै कितेब कुराना।

(क) काव्यांश की भाषा की दो विशेशताओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ख) शिल्प–सौन्दर्य स्पश्ट कीजिए । 3

© www.ncerthelp.com

अथवा

मेरे तो गिरिधर गोपाल, दूसरो न कोई

जा के सिर मोर–मुकुट, मेरो पति सोई

छांड़ि दयी कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?

संतन ढिंग बैठि–बैठि, लोक–लाज खोयी

अंसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम–बेलि बोयी

(क) काव्यांश की भाषा की दो विशेशताओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ख) अलंकारों का उल्लेख करें। 3

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

प्र.9:– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए ।– 2×3=6

(क) 'आओ, मिलकर बचाएँ' कविता में दिल के भोलेपन के साथ–साथ अक्खड़पन और जुझारूपन को भी बचाने की आवश्यकता पर क्यों बल दिया गया है ?

(ख) 'चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती' भीर्शक कविता में चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे ?

(ग) पानी के रात भर गिरने और प्राण–मन के घिरने में परस्पर क्या संबंध है ? घर की याद कविता के आधार पर स्पश्ट करें।

(घ) किसान की पत्नी और उसकी बच्ची की मृत्यु के लिए आप किसे दोशी मानते है और क्यों ? 'वे आँखें कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्र.10:– निम्नलिखित गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–2+2+2=6

नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते–घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत हे जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुश्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ ।

(क) यह किसकी उक्ति है ?

(ख) मासिक वेतन को पूर्णमासी का चाँद क्यों कहा गया है ?

(ग) क्या आप एक पिता के इस वक्तव्य से सहमत है ?

अथवा

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

फ़िल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है , इस बात का अंदाजा मुझे पहले नहीं था। इसलिए जैसे–जैसे दिन बीतने लगे, वैसे–वैसे मुझे डर लगने लगा। अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज्यादा बड़े हो गए, तो फ़िल्म में वह दिखाई देगा ! लेकिन मेरी खुशकिस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढ़ते है,उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बढ़े । इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नीवाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी, यह भी मेरे सौभाग्य की बात थी।

(क) दिन बीतने के साथ लेखक के मन में क्या डर बैठ गया ?

(ख) लेखक किस बात में अपनी खुशकिस्मती मानता है ?

(ग) फ़िल्म बनाने में लेखक को क्या–क्या कठिनाईयाँ आईं ?

प्र.11ः– किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 3+3+3=9

(क) 'भूलो' की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया ? उसने फ़िल्म के किस दृश्य को पूरा किया ?

(ख) 'शिवशंभु' की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

(ग) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं समझता था ?

(घ) स्पीति के लोग जीवनयापन के लिए किन कठिनाइयों का सामना करते हैं ?

प्र.12ः– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। 3+3+3=9

(क) भास्त्रीय संगीत तथा चित्रपट संगीत में अंतर स्पश्ट कीजिए।

(ख) पालरपानी से क्या समझते है ?

(ग) तातुश ने बेबी हालदार के बच्चों के बारे में क्या कहा ?

(घ) 'आलो–आँधारि' पाठ के आधार पर स्पश्ट कीजिए – लेखिका ने पार्क में जाना क्यों छोड़ दिया था ?

प्र.13ः– पालरपानी, पातालपानी तथा रेजाणीपानी के बारे में आप क्या जानते हैं ? 6

अथवा

आलो–आँधारि पाठ किस प्रकार जन सामान्य के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो सकता है?

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

नोटः– 10 की मौखिक परीक्षा का आयोजन विशय अध्यापक स्वयं करेंगे।

उत्तर संकेत

आदर्श प्रश्न–पत्र

हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा–11 वीं

निर्धारित समय – 3 घण्टे **अधिकतम अंक – 90**

खण्ड–क

उ.1:–

(क) सत्य और धर्म 2

(ख) सत्य के अनेक रूपों को समझने के सिद्धान्त के कारण पैदा हुई। 2

(ग) सत्य के अनेक रूपों को समझने के लिए 2

(घ) जब वे केवल धर्म के बाहरी आडम्बर बनकर रह जायें। 2

(ड.) हे ईश्वर ! तू दूसरों को वह सारा प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है। 2

उ.2:–

(क) अपने आत्मीय व्यक्ति के लिए किया है। 1

(ख) अतीत की बातों पर अफसोस नहीं करना चाहिए।इससे कवि के सकारात्मक दृश्टिकोण का पता चलता है। 1

(ग) तारों को टूटने और बिछुड़ने का दुख सहन करना पड़ता है ? 1

(घ) अंबर यह जानता है कि जो बिछुड़ गए, टूट गए वे भाोक मनाने से पुनः नहीं मिलेंगे। 1

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(ड.) अपनी प्रिय पात्र के बिछुड़ने पर भाोक में डूबे रहना व्यर्थ हैं। 1

अथवा

(क) परिश्रम का फल पाने, भाोशण का विरोध करने और गौरव की नई भाशा सीखने के लिए आजादी आवश्यक है। 1

(ख) जो अपनी भूमि पर कठोर परिश्रम करके अनाज पैदा करता है। 1

(ग) गौरव की भाशा नई सीख, भिखमंगों की आवाज बदल, 1
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल।

(घ) स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने तथा परिश्रम के बल पर असंभव को संभव बनाकर सफलता पाने का परामर्श देता है। 1

(ड.) अपने परिश्रम का फल प्राप्त कर सकता है, भाोशण का विरोध कर सकता है, असंभव को संभव कर सकता है, पहाड़ को हिला सकता है तथा आकाश के तारे तोड़कर ला सकता है। 1

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खण्ड–ख

उ..3:– प्रारम्भ – 1+1/4 अंक

विशयवस्तु – 2+1/2 अंक

समापन – 1+1/4 अंक

उ.4:– प्रस्तावना – 2 अंक

विशयवस्तु
प्रस्तुतीकरण } **6 अंक**

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

विस्तार

उपसंहार **2 अंक**

उ. 5:– **1×5=5**

(क) संचार माध्यम दो प्रकार के होते है । –1. प्रिंट माध्यम, 2. इलेक्ट्रानिक माध्यम

(ख) किसी यांत्रिक माध्यम के जरिए समाज के विशाल वर्ग से संवाद स्थापित करने के प्रयास को जनसंचार कहते है।

(ग) पत्रकारिता के तीन पहलू है–

1. समाचारो को संकलित करना।
2. उन्हें संपादित कर छपने लायक बनाना।
3. पत्र या पत्रिका के रूप में छापकर पाठकों तक पहुँचाना।

(घ) स्वाधीनता प्राप्ति ।

(ड) ऐसा पत्रकार जो किसी समाचार संगठन में काम करता है और नियमित वेतन पाता है, उसे पूर्णकालिक पत्रकार कहा जाता है

उ..6:– **प्रस्तावना** – **1 अंक**

विशयवस्तु **3 अंक**

समापन **1 अंक**

© www.ncerthelp.com

उ.7:–

(क) वे उसे सांसारिक कश्ट न दें, उसे हर प्रकार के विकारों से दूर रखें। 2

(ख) अपने आराध्य के चरणों में लीन होने के अवसर से न चूकने की प्रेरणा देती हैं। 2

(ग) अपने आराध्य चन्नमलिकार्जुन के चरणों में समर्पित है। 2

(घ) संबोधन भौली । 2

अथवा

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
myCBSEguide.com A Complete guide for CBSE students
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(क) संथाल परगना और झारखंड का प्रभाव दृश्टिगोचर होता है। 2

(ख) कवि सहजता, सरलता, भोलापन और जुझारूपन देखने का इच्छुक है। 2

(ग) 'ठंडी होती दिनचर्या' का भाव है उदासीनता और आलस्य का वातावरण।
'जीवन की गर्माहट' का भाव है गतिशीलता और जुझारूपन। 2

(घ) झारखंडीपन का अभिप्राय है–झारखंड के लोगों के स्वाभाविक गुण। 2

उ..8:–

(क) 1. सधुक्कड़ी अथवा मिली जुली भाशा का प्रयोग। 3
2. तत्सम भाब्दों की प्रधानता।

(ख) अनुप्रास अलंकार,संबोधन भौली, प्रतीकात्मकता। 3

अथवा

(क) 1. ब्रज भाशा की प्रधानता।
2. राजस्थानी मिश्रित भाब्दों का प्रयोग। 3

(ख) पुनरुक्त प्रकाश अलंकार, रूपक अलंकार, अनुप्रास अलंकार 3

© www.ncerthelp.com

उ.9:– **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए ।– 2×3=6**

(क) भोले आदमी जरा–जरा सी बात पर अकड़कर तन जाते है और संघर्श के लिए तत्पर रहते है। ये तीनों गुण साथ–साथ चलते है। इसलिए कवयित्री ने तीनों को बचाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

(ख) चंपा को लगता है कि कलकत्ता उसके परिवार को तोड़ने वाला है। कलकत्ता के कारण वह अपने पति से अलग हो जाएगी। इसलिए वह कहती है कि कलकत्ता पर बजर गिरे।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(ग) कवि को वर्शा अत्यन्त प्रिय थी इसलिए रातभर वर्शा होने के कारण उसे अपने घर की याद आ गई। उसे अतीत के खुशनुमा दिन याद आ गए। इसलिए उसके प्राणों में और मन में घर की यादें ही समा गई।

(घ) महाजन ने किसान से उसका सब कुछ छीन लिया । महाजन के कारण ही किसान के पास पत्नी की दवा दारू के लिए भी पैसे नहीं बचे। इस कारण उसकी पत्नी चल बसी। किसान की दुधमुँही बच्ची भी दवा के अभाव में मर गई। अतः किसान की पत्नी और उसकी बच्ची की मृत्यु के लिए किसी न किसी रूप में महाजन जिम्मेदार है।

उ.10:–

(क) यह उक्ति वंशीधर की है ? 2

(ख) यह महीने में मिलता तो एक बार है किन्तु रोज–रोज खर्च होकर घटता चला जाता है। इसलिए इसे पूर्णमासी का चाँद कहा गया है। 2

(ग) पिता का यह वक्तव्य पिता की मर्यादा के अनुकूल नहीं है । इसलिए इस वक्तव्य से सहमत नहीं हुआ जा सकता। 2

अथवा

(क) लेखक यह सोचने लगा कि कही बढ़ती हुई उम्र के किशोर बच्चे इसी दौरान बड़े और लंबे तो नहीं हो जाएंगे। यदि ऐसा हुआ तो दर्शकों को उन्हें पहचानने में परेशानी होगा। 2

(ख) फ़िल्म के निर्माण काल के दौरान अप्पू और दुर्गा के भारीर में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। अस्सी साल की चुन्नीवाला देवी भी इस दौरान मर सकती थी। परन्तु सौभाग्य से ऐसा नहीं हुआ। 2

(ग) फ़िल्म बनाने में लेखक को निम्नलिखित कठिनाइयाँ आईं– 2

1. बार–बार धन की कमी।
2. भाूटिंग में बहुत ज्यादा समय लगना।
3. पात्रों के बदलने या मृत्यु होने का खतरा मँडराना।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

उ11:–

(क) भात खाने का दृश्य देने से पूर्व भूलों की मृत्यु हो गई। अतः उस दृश्य को पूरा करने के लिए भूलों से मिलते जुलते कुत्ते की आवश्यकता पड़ी, उसने गमले में पड़े भात को खाया तब जाकर दृश्य पूरा हुआ। 3

(ख) भारत के पशु हो या मनुश्य उनका यह स्वभाव है कि वे अपने साथ रहने वाले लोगों से सिर्फ गहरा लगाव रखते है। यही कारण है कि एक–दूसरे से विदा होते समय वे दुख अनुभव करते है। 3

(ग) मोहन कक्षा का होशियार बच्चा था। इसीलिए मास्टर त्रिलोक सिंह ने उसे कक्षा का मॉनीटर बना दिया दूसरी ओर धनराम स्वयं को नीची जाति का तथा मोहन को ऊँची जाति का समझता था। 3

(घ) स्पीति में संचार, बिजली, सड़क, दूरभाश आदि नहीं है। स्पीति में हरियाली और पेड़ पौधों का भी अभाव रहता है। वर्शा की कमी होने से फसलें भी बहुत कम होती है। वहाँ की चोटियाँ अत्यन्त दुर्गम है।

उ..12:– (क) 1. चित्रपट संगीत में प्राथमिक अवस्था के तालों का प्रयोग होता है। भास्त्रीय संगीत के ताल भास्त्रशुद्ध और परिपक्व होते है।

2. चित्रपट संगीत के ताल सुगम तथा लोचदार होते है। भास्त्रीय संगीत के ताल गम्भीर होते है। 3

(ख) बरसात का सीधे रूप में मिलने वाला पानी पालरपानी कहलाता है। 3

(ग) तातुश ने बच्चों की पढ़ाई लिखाई के बारे में पूछा । लेखिका द्वारा आर्थिक रूप से असमर्थता जाहिर करने पर उन्होंने लेखिका की मदद की। लेखिका को इस बात के लिए प्रेरित किया वह अपने बच्चों का दाखिला करवा दे। 3

(घ) पार्क में आने वाली औरतें लेखिका से तरह –तरह के प्रश्न पूछती थी, जिनका उत्तर देना वह लाजिमी नहीं समझती थी। इसी कारण लेखिका ने पार्क में जाना छोड़ दिया।3

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

उ..13ः– पालरपानी– बरसात से सीधे मिलने वाला पानी। यह पानी नदियों , तालाबों, बड़े–बड़े गड्ढों में रूक जाता है । खुले में होने के कारण यह पानी जल्दी गंदा होता है। अधिकांश पानी वाश्प बनकर उड़ जाता है। बहुत सारा पानी जमीन के अंदर चला जाता है।

पातालपानी – जो पानी जमीन के अंदर जाकर भू–जल में मिल जाता है उसे पाताल पानी कहते है। इस पानी को कुओं, पम्पों तथा ट्यूबबेल द्वारा निकाला जाता है।

रेजाणीपानी –पालरपानी और पातालपानी के बीच का पानी रेजाणी पानी कहलाता है। धरातल से नीचे जाकर पातालपानी में न मिलकर बीच में ही नमी के रूप में रह जाने वाला पानी रेजाणीपानी कहलाता है। इस पानी को कुंइयों के माध्यम से इकट्ठा किया जाता है।

अथवा

यदि किसी व्यक्ति के मन में दृढ़निश्चय, लगन और निश्ठा हो तो उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। लेखिका जो कि निहायत सामान्य परिवार से संबंध रखती थी। अपने व्यक्तिगत जीवन में जिसने अनेक प्रकार के संघर्शों का सामना किया। समाज के द्वारा जिस पर कतिपय लांछन लगाए गए उसके संबंध में तरह–तरह की प्रतिकूल बातें की गई किंतु प्रतिकूल परिस्थितियों से वह रंचमात्र भी विचलित नहीं हुई। जहाँ एक ओर परिश्रम करके उसने अपने बच्चों को पढ़ाया उनके लिए जीविकोपार्जन का साधन जुटाया एवं उन्हें हर प्रकार की सुविधा प्रदान की जो उनके विकास में सहायक हो सकता था। दूसरी ओर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए , सतत् स्वाध्याय एवं कठिन परिश्रम के द्वारा उसने लेखिका का दर्जा हासिल किया। निश्चित रूप से बेबी हालदार का यह जीवन संघर्शरत एवं जुझारू व्यक्तित्व का जीवंत उदाहरण है।

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12